चित्रकूट 14 अक्टूबर। सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय में 12 अक्टूबर को 18 वॉ विश्व दृष्टि दिवस मनाया गया। यह विश्व दृष्टि दिवस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अक्टूबर माह के दूसरे गुरुवार को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस अवसर पर सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0 जैन, नेत्र चिकित्सालय के एडमिनिस्ट्रेटर डा0 इलेश जैन, डा0 ए0बी0एस0 राजपूत, डा0 राकेश साक्या नेत्र विशेषज्ञ, स्कूल के बच्चे एवं चिकित्सालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में बताया गया कि पूरे विश्व में हर 5 सेकेण्ड में एक आदमी अंधा हो जाता है। पूरी दुनिया में 80 करोड लोग अंधत्व से पीडित हैं जिनमें 90 प्रतिशत लोग विकासशील देश में रहते हैं। इन 90 प्रतिशत लोगों में से 80 प्रतिशत लोगों की ऑखां की रोशनी चिकित्सा के माध्यम से वापस लायी जा सकती है। केवल 20 प्रतिशत लोग ऐंसी बीमारी से अंधे होते हैं जिनकी रोशनी वापस नहीं लायी जा सकती। प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक नेत्रदान पखवाडा एवं अक्टूबर माह में विश्व दृष्टि दिवस मनाते हैं। लेकिन जब तक हम इस बारे में जागरुक नहीं होगे, दूसरों को इस बारे में नहीं बतायेंगे तब तक ये कार्यक्रम त्योहारों की तरह हैं जो हर साल आते और चले जाते हैं। नत्रदान पखवाडे में नेत्रदान से संबधित प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें स्कूल के बच्चों ने रंगोली, पोस्टर, निबंध, माडल, हस्ताक्षर कार्यक्रम एवं रैली के माध्यम से लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के अनुसार नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा0 बी0के0जैन एवं श्रीमती ऊषा जैन ने पुरष्कृत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये डा0 इलेश जैन ने कहा कि पूज्य रणछोडदास जी महाराज द्वारा स्थापित यह चिकित्सालय 1950 से अनवरत नेत्रदान पखवाडा एवं विश्व दृष्टि दिवस मनाती है। इस वर्ष नेत्र से सम्बन्धित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कमल विश्वकर्मा की टीम विजयी रही। पिछले वर्ष से सदगुरु नेत्र चिकित्सालय जिला प्रशासन सतना के सहयोग से सतना जिले में 18 वर्ष तक के बच्चों के नेत्र परीक्षण का कार्यक्रम चल रहा है। जिसके अन्तर्गत सतना जिले के सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों के बच्चों का नेत्र परीक्षण कर नेत्र सम्बन्धी तकलीफों को दूर कर लाभान्वित किया जा रहा है। अभी तक मझगवां एवं नागोद ब्लाक में कार्य पूरा हो चुका है वर्तमान में ऊंचेहरा एवं मैहर ब्लाक में कार्य चल रहा है। चिकित्सालय का हमेशा प्रयास रहा है कि गरीब हो अमीर, पुरुष या महिला सभी को नेत्र चिकित्सा का लाभ मिले। उन्होने कहा कि बच्चों को ऑख के प्रति जागरुक करना बहुत जरूरी है क्यों कि बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों से उनके माता–पिता और माता–पिता से समाज तक यह संदेश पहुॅचे तभी यह कार्यक्रम सफल होगा। यदि संकल्पित होकर काम करेंगे तो सब कुछ संभव हो जाता है।